परमपिता शिव परमात्मा

स्वमानों का उपवन

1. मैं ज्योतिबिन्दु आत्मा हूँ।
2. मैं ज्योतिबिन्दु शिव बाबा का बच्चा हूँ।
3. मेरा घर परमधाम शांतिधाम है।
4. मैं नर से श्री नारायण और नारी से श्री लक्ष्मी बनने वाली आत्मा हूँ।
5. मेरा बाबा ज्ञान का सागर है।
6. मेरा बाबा पवित्रता का सागर है।
7. मेरा बाबा शान्ति का सागर है।
8. मेरा बाबा प्रेम का सागर है।
9. मेरा बाबा सुख का सागर है।
10. मेरा बाबा आनन्द का सागर है
11. मेरा बाबा शक्तियों का सागर है।
12. मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ।
13. मैं पवित्र स्वरूप आत्मा हूँ।
14. मैं शांत स्वरूप आत्मा हूँ।
15. मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ।
16. मैं सुख स्वरूप आत्मा हूँ।
17. मैं आनन्द स्वरूप आत्मा हूँ।
18. मैं शक्ति स्वरूप आत्मा हूँ।
19. मेरा बाबा सर्वशक्तिमान है।
20. मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।
21. मैं महान आत्मा हूँ।
22. मैं विश्व परिवर्तक आत्मा हूँ।
23. मेरा बाबा विश्व कल्याण कारी है।
24. मैं मास्टर विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ।
25. मैं यज्ञ रक्षक आत्मा हूँ।
26. मैं स्वदर्शन चक्रधारी आत्मा हूँ।
27. मैं शिव शक्ति पांडव सेना हूँ।
28. मैं मधुबन निवासी हूँ।
29. मैं अनादि स्वरूप आत्मा हूँ।
30. मैं आदि देवता स्वरुप आत्मा हूँ।
31. मैं पूज्य स्वरूप आत्मा हूँ।
32. मैं ब्राह्मण स्वरूप आत्मा हूँ।
33. मैं फ़रिश्ता स्वरूप आत्मा हूँ।
34. मैं ब्राह्मण सो देवता ,देवता सो क्षत्रिय , क्षत्रिय सो वैश्य , वैश्य सो शूद्र , शूद्र सो ब्राह्मण बनने वाली आत्मा हूँ।
35. मेरा बाबा परमपिता, परम शिक्षक व परम सद्गुरु है।
36. मेरा बाबा पतित पावन है।
37. मेरा बाबा निराकार है।
38. मेरा बाबा गीता ज्ञान दाता है।
39. मेरा बाबा सब के सुख के दाता है।
40. मेरा बाबा दुख हर्ता सुख कर्ता है।
41. मेरा बाबा बिन्दु रूप ज्योति स्वरूप है।
42. मेरा बाबा त्रिकालदर्शी है।
43. मेरा बाबा विकारों से छुड़ाने वाले हैं ।
44. मेरा बाबा सद्गति दाता है।
45. मैं कामजीत आत्मा हूँ।
46. मैं क्रोधजीत आत्मा हूँ।
47. मैं लोभजीत आत्मा हूँ।
48. मैं मोहजीत आत्मा हूँ।
49. मैं अहंकार जीत आत्मा हूँ।
50. मैं मायाजीत आत्मा हूँ।
51. मैं जगतजीत आत्मा हूँ।
52. मैं विक्रमाजीत आत्मा हूँ।
53. मैं कल्प कल्प की विजयी रत्न आत्मा हूँ।
54. मैं नॉलेजफुल आत्मा हूँ।
55. मैं सक्सेसफुल फुल आत्मा हूँ।
56. मैं सोलह कला संपूर्ण आत्मा हूँ।
57. मैं निराकारी, निर्विकारी, निरहंकरी आत्मा हूँ ।

58. मैं निमित, निर्मल, निर्माणचित आत्मा हूँ।
59. मैं शान्ति का प्रकाश फैलानीवाली आत्मा हूँ।
60. मैं विघ्न विनाशक आत्मा हूँ।
61. मैं महावीर आत्मा हूँ।
62. मैं अचल अडोल आत्मा हूँ।
63. मैं बेफिकर बादशाह हूँ।
64. मैं मधुबन के ४ धाम 1° शान्ति स्तम्भ 2° हिस्ट्री हॉल 3° बाबा का कमरा 4° बाबा की झोपड़ी का चक्र लगाने वाली आत्मा हूँ।
65. मैं मास्टर रूप बसंत आत्मा हूँ।
66. मैं संपत्तिवान आत्मा हूँ।
67. मैं संतुष्टमणि आत्मा हूँ।
68. मैं समर्थ सम्राट आत्मा हूँ।
69. मैं सर्व मनोकामनायें पूर्ण करने वाली आत्मा हूँ।
70. मैं परमात्म चिंतन करने वाली आत्मा हूँ।
71. मैं परमात्म शक्ति से सभी की झोली भरने वाली आत्मा हूँ।
72. मैं अपने मन बुद्धि को कंट्रोल करने वाली आत्मा हूँ।
73. मैं एकाग्रचित आत्मा हूँ।
74. मैं धारणामूर्त आत्मा हूँ।
75. मैं सहजयोगी आत्मा हूँ।
76. मैं राजयोगी आत्मा हूँ।
77. मैं अजर अमर अविनाशी आत्मा हूँ।
78. मैं खुशनसीब आत्मा हूँ।
79. मैं अमृतवेला जागने वाली आत्मा हूँ।
80. मैं बेहद सेवाधारी आत्मा हूँ।
81. मैं अतीन्द्रिय सुख पाने वाली आत्मा हूँ।
82. मैं निःस्वार्थ सेवाधारी आत्मा हूँ।
83. मैं मास्टर मुरलीधर आत्मा हूँ।
84. मैं निश्चिंत स्वरूप आत्मा हूँ।
85. मैं सच्चा गोप गोपी आत्मा हूँ।
86. मैं आलस्यजीत आत्मा हूँ।
87. मैं 21 जन्मो तक स्वर्ग में राज करने वाली आत्मा हूँ।
88. मैं परमात्मा प्यार में पलने वाली आत्मा हूँ।
89. मैं ब्रह्मकुमार आत्मा हूँ।
90. मैं नंबरवन आत्मा हूँ।
91. मैं श्री कृष्ण श्री राधे बनने वाली आत्मा हूँ।
92. मैं 84 चोला धारण करने वाली आत्मा हूँ।
93. मैं सूर्य वंशी आत्मा हूँ।
94. मैं अष्ट रत्न आत्मा हूँ।
95. मैं अव्यक्त आत्मा हूँ।
96. मैं अवतार आत्मा हूँ।
97. मैं निर्विघ्न राज करने वाली आत्मा हूँ।
98. मैं सर्व भटकती हूँ आत्माओं को शिवबाबा से मिलाने वाली आत्मा हूँ।
99. मैं रूहानी पंडा हूँ।
100. मैं स्वेत वस्त्र धारी आत्मा हूँ।
101. मैं मास्टर लालमणि आत्मा हूँ।
102. मैं पत्थर बुद्धि वालों को पारस करने वाली आत्मा हूँ।
103. मैं मास्टर पतित पावन आत्मा हूँ।
104. मैं मास्टर दुःखहर्ता सुखकर्ता आत्मा हूँ।
105. मैं मास्टर परमशिक्षक परम सद्गुरु आत्मा हूँ।
106. मैं मास्टर विधाता आत्मा हूँ।
107. मैं मास्टर शिव हूँ।
108. मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ।
109. मैं मास्टर विष्णु हूँ।
110. मैं मास्टर योगेश्वर हूँ।
111. मैं मास्टर गुणों का भंडार आत्मा हूँ।
112. मैं मास्टर सत चित आनन्द स्वरूप आत्मा हूँ।
113. मैं ब्रह्मलोक का वासी आत्मा हूँ।
114. मैं कर्मो की गति को जानने वाली आत्मा हूँ।
115. मैं सबके सुख के दाता आत्मा हूँ।
116. मैं मास्टर जादूगर आत्मा हूँ।
117. मैं मास्टर सद्गति दाता आत्मा हूँ।
118. मैं आधार व उदाहरण मूर्त आत्मा हूँ।
119. मैं मास्टर गीता ज्ञान दाता आत्मा हूँ।
120. मैं मास्टर वरदान लुटाने वाली आत्मा हूँ
121. मैं वरदानी मूर्त आत्मा हूँ।
122. मैं महादानी मूर्त आत्मा हूँ।
123. मैं बाबा का , बाबा मेरा है।
124. मैं तीनों काल को जानने वाली आत्मा हूँ।
125. मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ।
126. मैं ज्ञान गंगा आत्मा हूँ।

127. मैं प्रकृति का मालिक आत्मा हूँ ।
128. मैं शुद्ध भावना फैलाने वाली आत्मा हूँ ।
129. मैं बाप समान बनने और बनाने वाली आत्मा हूँ ।
130. मैं आकालमूर्त आत्मा हूँ ।
131. मैं मास्टर दिव्य बुद्धि दाता आत्मा हूँ ।
132. मैं मास्टर दिव्य दृष्टि विधाता आत्मा हूँ ।
133. मैं मास्टर मुक्ति ब जीवन मुक्ति दाता आत्मा हूँ ।
134. मैं लवफुल आत्मा हूँ ।
135. मैं शुद्ध संकल्पों की शक्ति फैलाने वाली आत्मा हूँ ।
136. मैं व्यर्थ बातों से दूर रहने वाली आत्मा हूँ ।
137. मैं विघ्न विनाशक आत्मा हूँ ।
138. मैं महावीर आत्मा हूँ ।
139. मैं शिवशक्ति पांडव सेना आत्मा हूँ ।
140. मैं समेटने वाली आत्मा हूँ ।
141. मैं सहन करने वाली आत्मा हूँ ।
142. मैं समाने वाली आत्मा हूँ ।
143. मैं परखने वाली आत्मा हूँ ।
144. मैं निर्णय लेने वाली आत्मा हूँ ।
145. मैं सामना करने वाली आत्मा हूँ ।
146. मैं सहयोग करने वाली आत्मा हूँ ।
147. मैं विस्तार को संकीर्ण करने वाली आत्मा हूँ ।
148. मेरा बाबा, प्यारा बाबा, मीठा बाबा, लाडला बाबा, रहमदिल बाबा, शिव बाबा, मैं जिसे देखू,जिससे बात करूं, जो मुझे देखे, जो मुझसे बात करे भले वो मेरे बारे में अच्छा या बुरा सोचे उस आत्मा का कल्याण हो वह भी पवित्र बन मनुष्य से देवता बन जाए ।
149. वाह बाबा वाह
150. वाह बाप दादा वाह
151. वाह बाबा मम्मा वाह
152. वाह बाबा दादी वाह
153. वाह बाबा दीदी वाह
154. वाह ब्राह्मण परिवार वाह
155. वाह मधुबन निवासी वाह
156. वाह सेंटर में कोर्स क्लास करने वाले भाई बहन वाह
157. वाह ड्रामा वाह
158. वाह सभी धर्मों की आत्माओं वाह
159. वाह मेरा भाग्य वाह
160. वाह भारत के श्रेष्ठ आत्माओं वाह
161. वाह संगम युग वाह
162. वाह भारत माता वाह

आत्मा के ७ गुण, रंग, तत्त्व व परमात्मा से सम्बन्ध

1. आनंद स्वरूप – बैंगनी रंग- मन -साजन के रूप में याद करना है
2. ज्ञान स्वरूप - गहरा निला रंग- बुद्धि -शिक्षक के रूप में याद करना है
3. शान्ति स्वरूप – आसमानी नीला रंग- आकाश तत्व – बच्चा के रूप में याद करना है
4. प्रेम स्वरूप - हरा रंग- वायु तत्व -माता के रूप में याद करना है
5. सुख स्वरूप – पीला रंग- अग्नि तत्व – दोस्त के रूप में याद करना है
6. पवित्र स्वरूप - नारंगी रंग- जल तत्व -सतगुरु के रूप में याद करना है
7. शक्ति स्वरूप - लाल रंग - पृथ्वी तत्व -पिता के रूप में याद करना है